विद्यार्थी के जीवन में सर्वांगीण विकास करेगी मातृभाषा

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर: नई शिक्षा नीति को मंजूरी मिले महीनों बीत गए हैं लेकिन अभी भी कुछ अभिभावकों में इसको लेकर भ्रम और तर्क-वितर्क की स्थिति है। भ्रम दूर करने और नई शिक्षा नीति के फायदे अभिभावकों को समझाने के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल प्रबंधन ने पहल शुरू की है।

डा. एचएच वशिष्ठ

स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डा. एसएस वशिष्ठ ने बताया कि ज्ञान के परिदृष्य में समस्त विश्व तेजी से बदल रहा है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए नित नए प्रयोग हो रहे हैं। आजादी के बाद शिक्षा नीति में किताबी ज्ञान पर बल दिया गया। आजादी से अब तक शिक्षा नीति में कई बार परिवर्तन हुए पर कारगर नहीं थे। नतीजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 29 अगस्त को नई शिक्षा नीति 2020 को कैबिनेट की मंजूरी मिली। नई शिक्षा नीति में पांच वर्षों का प्री स्कूल होगा। इसमें विद्यालय में बाल्यकाल जैसा माहौल होगा। कक्षा छह से आठवीं तक मीडिल स्कूल होगा। इसमें गणित और विज्ञान के साथ व्यवसायिक शिक्षा पर भी विशेष बल दिया जाएगा। कक्षा नौ से 12वीं तक छात्र अपनी रुचि के अनुसार व्यावसायिक पाठ्यक्रम की शिक्षा ग्रहण करेंगे। दो भागों में परीक्षा होगी तो विद्यार्थियों का तनाव कम होगा। बोर्ड परीक्षा में रटने के बजाए रचनात्मक कौशल को बढ़ावा दिया जाएगा। मातृभाषा के द्वारा विद्यार्थी के जीवन में सर्वांगीण विकास किया जाएगा। नई शिक्षा पद्धति के लाभ बताने के लिए अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है। शिक्षक भी अभिभावकों को समझा रहे हैं ताकि वह इसके फायदे समझकर बच्चों का उज्ज्वल भविष्य बनाने में सहयोग कर सकें।

दैनिक जागरण, 21 दिसम्बर, 2020

अमर उजाला my city बुलंदशहर बुधवार • 30.12.2020 www.amarujala.com 4

मातृभाषा में सीखना होगा और भी आसान

अमर उजाला वेबिनार में डीपीएस के शिक्षक-अभिभावकों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर रखे अपने विचार

माई सिटी रिपोर्टर

बुलंदशहर। अमर उजाला और दिल्ली पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के शिक्षकों ने नई शिक्षा नीति के तहत पठन-पाठन के दौरान होने वाले बदलावों में विस्तार से जानकारी दी।

इस दौरान स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. एचएस वशिष्ठ ने नई शिक्षा नीति के फायदों के साथ ही बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास में नैतिक शिक्षा का बहुत अहम योगदान बताया। कार्यक्रम का संचालन मोनिका सिरोही ने किया।

इसके तहत बच्चों के मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास को भी महत्व दिया गया है। बाल अधिकार के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य, आहार आदि को भी शामिल किया गया है। कुपोषण आदि की समस्या से भी निपटा जा सकेगा। - रितु सिंह, शिक्षिका।

नई शिक्षा नीति पुरानी शिक्षा नीति की तुलना में काफी सार्थक है। अभिभावक भी इस नए कदम के सहभागी होंगे। मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषा में बच्चे विषयों को आसानी और गहराई से समझ सकेंगे। - रुपाली गौर, अभिभावक।

नई शिक्षा नीति में इस बच्चों को खेल-खेल में सीखाने पर जोर दिया गया है। इससे उनका बौद्धिक और शारीरिक विकास होगा। सिर्फ बेस शिक्षा के स्थान पर प्रोजेक्ट विधि की शिक्षा से बच्चा कोई भी चीज अच्छे से सीखेगा। एचएस वशिष्ठ, प्रधानाचार्य, डीपीएस।

इसके तहत बच्चे की रुचि किस क्षेत्र में है। यह जानने के बाद शुरू से ही उस पर मेहनत कर के बच्चे को तैयार किया जा सकता है। बच्चों पर कार्टिंग, टेबल रट्टा मारकर सिखाना नहीं, बल्कि उसे विस्तारपूर्वक समझाकर सिखाना जरूरी है। - सावन खन्ना, उपप्रधानाचार्य।

नई शिक्षा नीति 2020 ने सन 1986 की शिक्षा नीति को रिप्लेस किया है। पुरानी नीति की तुलना में नई शिक्षा नीति सभी खामियों को दूर करने का काम कर रही है। विषय से बच्चों का जुड़ाव और उनकी रुचि के हिसाब से पढ़ाई कराई जाएगी। - भावना गुप्ता, शिक्षिका।

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसि, शास्त्रों में भी कहा गया है कि जन्म भूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। ऐसे में नई शिक्षा नीति के तहत मातृभाषा को शामिल करना स्वागत योग्य पहल है। मातृ भाषा में शिक्षा प्राप्त करने की क्षमता अधिक होती है। - विनिता चौबे, शिक्षिका।

इसके तहत शिक्षा का सार्वभौमिकरण होगा। शिक्षा के जरिए ही देश समाज भविष्य में बालक अपना व्यक्तित्व स्थापित करता है। पढ़ाई के तौर तरीके जितने सरल होंगे। उतने ही आसानी से बच्चों को समझाया जा सकेगा। अनीता बोस, शिक्षिका।

प्री-प्राइमरी का लक्ष्य बच्चों के स्वास्थ्य के साथ ही उसकी उम्र के अनुरूप खेलकूद आदि के माध्यम से उनके मानसिक विकास और शारीरिक विकास में बढ़ोतरी करेगा। इस दौरान बच्चों का आकलन खेलकूद और अन्य क्रियाओं से भी किया जाएगा। - पूजा पंत, शिक्षिका।

नई नीति में बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन को स्कूली शिक्षा के अभिन्न अंग के रूप में शामिल किया गया है। जैसे तो बच्चे के सीखने की प्रक्रिया जन्म से ही शुरू हो जाती है। - नेहा गोविल, शिक्षिका।

बच्चों के समग्र मानसिक विकास के लिए महापुरुषों के चित्रण के माध्यम से जानकारी दी जा सकती है। उम्र के आधार पर खेल को पढ़ाई में शामिल करना चाहिए। बच्चों को प्रकृति से भी जोड़ने के प्रयास करना चाहिए। - अर्चना सिंघल, शिक्षिका।

इसमें शामिल प्रकृति से जुड़ाव, योग आदि से बच्चों के शारीरिक के साथ ही मानसिक विकास होगा। तकनीक से तालमेल बढ़ाने में बच्चों को इससे सहायता मिलेगी। प्रैक्टिकल से बच्चे के समझाने की क्षमता में विकास होगा। सुषमा श्रीवास्तव, शिक्षिका

नई शिक्षा नीति में शुरुआत के तीन साल की बुनियादी शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। खेल के माध्यम से पढ़ाई रुचिकर बनेगी और बच्चा जल्द सीखेगा। इस नीति में शामिल मूल्यांकन सुधार भी एक क्रांतिकारी परिवर्तन होगा। - संचला रानी, शिक्षिका।

इसका मकसद आने वाली पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल करना है। आने वाले समय में बेरोजगारी को खत्म करने में नई शिक्षा प्रणाली अत्यन्त कारगर होगी। यह बच्चों और युवाओं को एक नए मार्ग और रोजगार की तरफ ले जाएगी। - मोनिका सिरोही, शिक्षिका।

शिक्षा नीति में बदलाव से शिक्षकों के पढ़ाने आदि में भी बदलाव आएगा। इससे बच्चे का संपूर्ण विकास होगा। मेडिटेशन पढ़ाई के तरीके से बच्चे शुरू से ही मजबूत होंगे। कोविड के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई से भी माहौल बदला है। - संगीता राठी, अभिभावक।

दैनिक अमर उजाला, 30 दिसम्बर, 2020

राष्ट्रीय स्तर पर चमके तुषार

शहर के यमुनापुरम में रहने वाला दिल्ली पब्लिक स्कूल का कक्षा 12 का छात्र तुषार सिंह सीबीएसई इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में राष्ट्रीय स्तर तक चमका। इस मेधावी ने शतप्रतिशत अंक प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन किया। सीबीएसई चेयरमैन और तमाम संस्थाओं व राजनीतिक दलों ने तुषार को पुरस्कृत किया।

दैनिक जागरण सफरनामा, 31 दिसम्बर, 2020